प्रेस वक्तव्य:

आत्मरक्षा के प्रशिक्षण को हथियारों का प्रशिक्षण कह सनसनी फैलाना बंद करें: विहिप

नई दिल्ली। मई 30, 2018। बजरंग दल और दुर्गा वाहिनी के ग्रीष्म कालीन प्रशिक्षण शिविरों के संबंध में एक वर्ग द्वारा भ्रामक प्रचार किया जा रहा है. विश्व हिन्दू परिषद् के केन्द्रीय संयुक्त महामंत्री डा सुरेन्द्र जैन ने आज एक बयान में कहा है कि हमारी युवा इकाई बजरंग दल और दुर्गा वाहिनी के ये प्रशिक्षण वर्ग पूर्ण रूप से संगठन की गतिविधि हैं तथा गत 28 वर्षों से ये वर्ग प्रांत के अनुसार निरन्तर आयोजित किए जा रहे हैं. इनमें भारत की सभ्यता, संस्कृति, गौरवशाली इतिहास और दर्शन के बारे में जानकारी दी जाती है. भारत के उज्जवल भविष्य के निर्माण में उनकी भूमिका रहे ऐसी मानसिकता निर्माण की जाती है. बौद्धिक व मानसिक विकास के साथ शारीरिक विकास की दृष्टि से आसन, प्राणायाम, ड्रिल व लक्ष्य भेद आदि का प्रशिक्षण दिया जाता है जिसे शस्त्रों के प्रशिक्षण का नाम देकर सनसनी बनाने की कोशिश की जा रही है. ये व्यायाम शहरों और गावों की कई व्यायाम-शालाओ में देखे जा सकते हैं.

आज पूरे देश में स्वस्थ भारत के नाम पर विभिन्न अभियान चलाये जा रहे हैं. कई सरकारी व गैर-सरकारी संगठन यह प्रयास करते हैं कि युवक युवतियां आत्म रक्षा में सक्षम बने. आत्म-रक्षा या समाज-रक्षा में सक्षम होना किसी को भयभीत करने के लिए नहीं होता. समाज को मजबूत करने का यह प्रयास पूर्ण रूप से वैधानिक, सकारात्मक व विकासात्मक है.

जारी कर्ता :

विनोद बंसल
(राष्ट्रीय प्रवक्ता)
विश्व हिन्दू परिषद
ट्विटर: @vinod_bansal
M-9810949109

Press Statement:

Don’t Sensitise Self-defence as weapon training says VHP

New Delhi, May 30, 2018: In the past few days, a highly misleading propaganda has been unleashed against the summer training camps of Bajrang Dal and Durga Vahini by a certain section of people in the country. In a press statement Dr. Surendra Jain, Joint General Secretary Vishwa Hindu Parishad today said that these training camps are being held as part of our routine organisational activities in all states continuously since last 28 years. Our great civilization, culture, history and philosophical values of the country is showcased in such camps. For the purpose of developing mental, intellectual as well as physical values, yoga, drills and target-practice are included in such camps. However, some people misleading the country by sensationalising it as some sort of a weapons training programme. The truth is that one can see such physical exercise being carried out in many villages and towns across the country.

Many schemes are being run for Swasth Bharat and many Govt. & NGOs too are working in this direction. Therefore, such self-defence trainings do not in any way impart fear in the minds of people. This endeavour, to make the society strong, is completely legal, positive and development-oriented, he added.

Issued by

Vinod Bansal
(National Spokesman)
Vishwa Hindu Parishad
@vinod_bansal M 9810949109